

‘स्टार्टअप
मास्टर क्लास’ में
वक्ताओं ने रखे
विचार

कल्चर को तोड़ने से ही होती है इनोवेशन की शुरुआत

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। देश में बिजनेस आइडियाज और सक्सेस तक ले जाने के लिए अपार संभवनाएं हैं। लोग कहते हैं कि गवर्नमेंट सेक्टर में संभावनाओं की कमी है, लेकिन मैंने अनुभव किया है कि ऐसे कई सेक्टर हैं, जहां लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। शनिवार को जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी की ओर से हुए कार्यक्रम ‘स्टार्टअप मास्टर क्लास’ और अटल इनोवेशन सेंटर की स्थापना में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के कमिश्नर अमरीश कुमार ने इसी तरह विचार रखे। अमरीश ने कहा कि यंग माइंड्स को मास लेवल सॉल्यूशन को ध्यान में रखते हुए स्टार्टअप करना चाहिए। उन्होंने एग्जाम्पल देते हुए कहा कि टॉयलेट (सेनिटेशन एंड फेसिलिटी) में सुलभ इंटरनेशनल के अलावा किसी ने ध्यान नहीं दिया है। इसी तरह यंगस्टर्स चाहें तो विदेशों की तर्ज पर रोड डिजाइन जैसे कई सेक्टर को ध्यान में रखते हुए स्टार्टअप कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा कोई सेक्टर नहीं है, जहां आईटी की जरूरत नहीं है, बस हमें नए सोच के साथ कदम रखना होगा।

जो लिखा, वहीं मानते हैं

अमरीश ने कहा कि लोग इंडिया में कल्चर को फॉलो करते हैं। उन्होंने एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि डिवाइडर कट पर लोग 100-200 मीटर रॉन्ग साइड आते



पॉलिसी बनने से होगा फायदा

आईआईटी कानपुर एलुमिनाई एसोसिएशन के फाउंडर प्रदीप भार्गव ने कहा कि सोशल वेलफेयर स्टार्टअप को लेकर यंगस्टर्स में उत्साह की कोई कमी नहीं है, लेकिन इस सेक्टर में चैलेंज और टाइमटेकिंग ज्यादा है। जरूरी है कि गवर्नमेंट ऐसी पॉलिसी बनाए, जिससे चैलेंजेस कम हो सकें।

नेटवर्किंग की वैल्यू

जेकेएलयू के प्रो. वाइस चांसलर ने कहना है कि ऐसा नहीं है कि इनोवेशन सक्सेस का मंत्र है, लेकिन इसके जरिए जो नेटवर्किंग लोगों को मिलती है, उससे फायदा होता है। यहां नेटवर्किंग की वैल्यू है। कार्यक्रम के दौरान अटल इनोवेशन मिशन के डायरेक्टर रामानन रामनाथन सहित कई एक्सपर्ट्स ने स्टाइपी के जरिए भी स्टूडेंट्स से इंटरव्यू किया।

हैं। पाली में रहते हुए एक बार जब मैंने सिविल इंजीनियर से पूछा कि ये दो किलोमीटर के बाद क्यों कट दिया है, तो उसने जवाब दिया। सर कागजों में ऐसा ही लिखा है। मैंने कहा कि दिखाओ तो उसमें लिखा था कि सामान्यतः दो किलोमीटर रखा जाना चाहिए, जबकि इंजीनियर ने

उसे एवरीटाइम समझ लिया। कई बार हमारे बुर्जुग भी ऐसा ही कहते हैं कि ऐसा नहीं करना चाहिए, जिसके पीछे यह लॉजिक होता है कि ऐसा होता आया है। मेरा मानना है कि यंगस्टर्स को ऐसे कल्चर को तोड़ना चाहिए, क्योंकि वहीं से इनोवेशन निकल कर आता है।